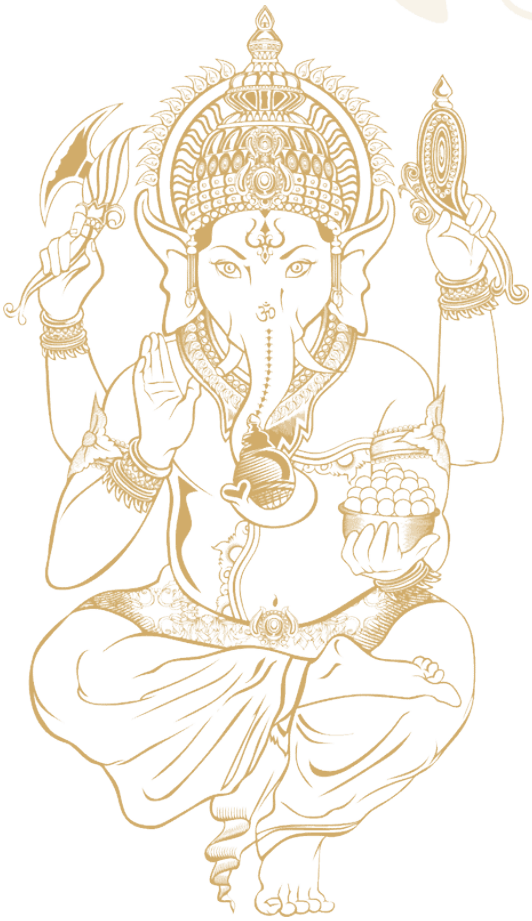

Ritesh

Mamta Srivastava

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119358301

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119358301 Date: 06/09/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21/01/1983	जन्म तिथि	16-17/09/1988
शुक्रवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 23:30:00	जन्म समय	01:30:00 घंटे
घटी 41:33:46	जन्म समय(घटी)	49:14:57 घटी
India	देश	India
Gonda	स्थान	Kashipur
27:08:00 उत्तर	अक्षांश	29:13:00 उत्तर
81:58:00 पूर्व	रेखांश	78:57:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:02:08	स्थानिक संस्कार	-00:14:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:52:29	सूर्योदय	05:59:30
17:33:32	सूर्यास्त	18:18:02
23:36:57	चित्रपक्षीय अयनांश	23:42:02
कन्या	लग्न	कर्क
बुध	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
मेष	राशि	वृश्चिक
मंगल	राशि-स्वामी	मंगल
अश्विनी	नक्षत्र	विशाखा
केतु	नक्षत्र स्वामी	गुरु
1	चरण	4
सिद्ध	योग	विष्कुम्भ
विष्टि	करण	कौलव
चू-चूड़ामणि	जन्म नामाक्षर	तो-तोरल
कुम्भ	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या
क्षत्रिय	वर्ण	विप्र
चतुष्पाद	वश्य	कीटक
अश्व	योनि	व्याघ्र
देव	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
सिंह	वर्ग	सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 6वर्ष 1मा 7दि		26:22:52	कन्या	लग्न	कर्क	01:42:11	गुरु 0वर्ष 5मा 25दि	
मंगल		07:31:01	मक	सूर्य	कन्या	00:27:28	केतु	
28/02/2025		01:42:16	मेष	चंद्र	वृश्चि	02:55:40	13/03/2025	
29/02/2032		09:40:58	कुंभ	मंगलव	मीन	14:45:23	13/03/2032	
मंगल	28/07/2025	25:18:10	धनु व	बुध	कन्या	26:57:55	केतु	09/08/2025
राहु	15/08/2026	11:20:03	वृश्चि	गुरु	वृष	12:19:46	शुक्र	10/10/2026
गुरु	22/07/2027	26:25:14	मक	शुक्र	कर्क	16:21:43	सूर्य	14/02/2027
शनि	30/08/2028	10:24:30	तुला	शनि	धनु	02:28:31	चन्द्र	15/09/2027
बुध	27/08/2029	10:17:30	मिथु व	राहु व	कुंभ	20:20:03	मंगल	12/02/2028
केतु	23/01/2030	10:17:30	धनु व	केतु व	सिंह	20:20:03	राहु	01/03/2029
शुक्र	25/03/2031	14:19:53	वृश्चि	हर्ष	धनु	03:23:56	गुरु	05/02/2030
सूर्य	31/07/2031	04:21:48	धनु	नेप व	धनु	13:43:12	शनि	17/03/2031
चन्द्र	29/02/2032	05:52:49	तुला	प्लूटो	तुला	16:59:59	बुध	13/03/2032

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:36:57 चित्रपक्षीय अयनांश 23:42:02

लग्न-चलित

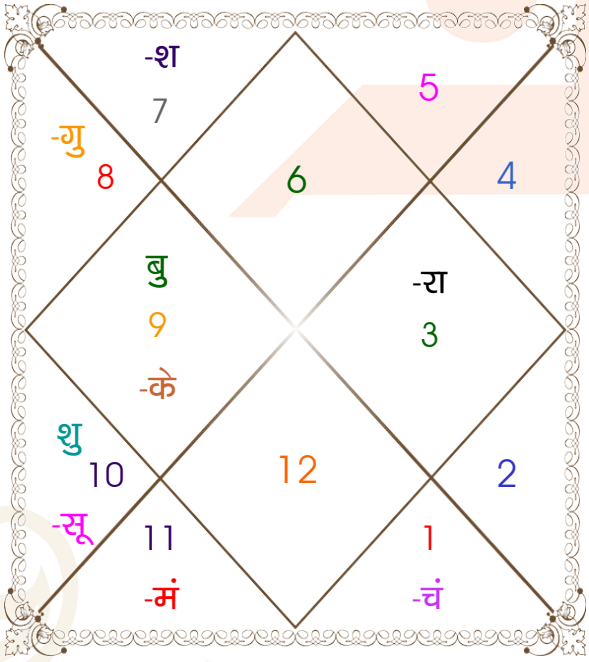

लग्न-चलित

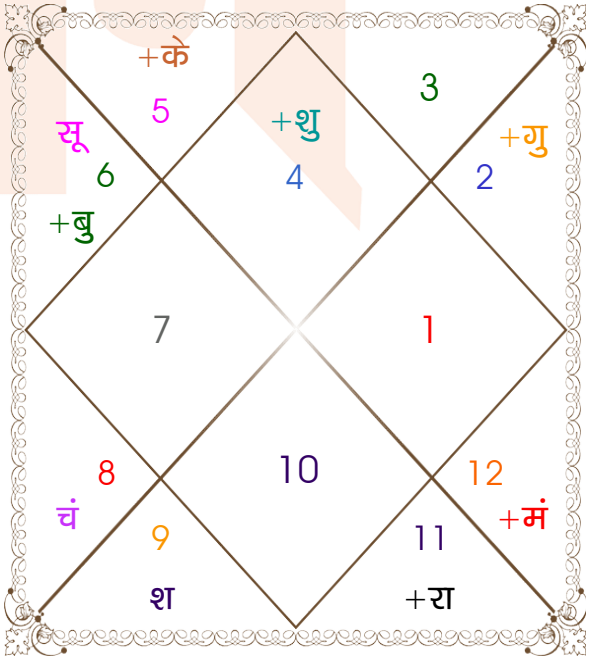

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.50		

कुल : **17.5 / 36**

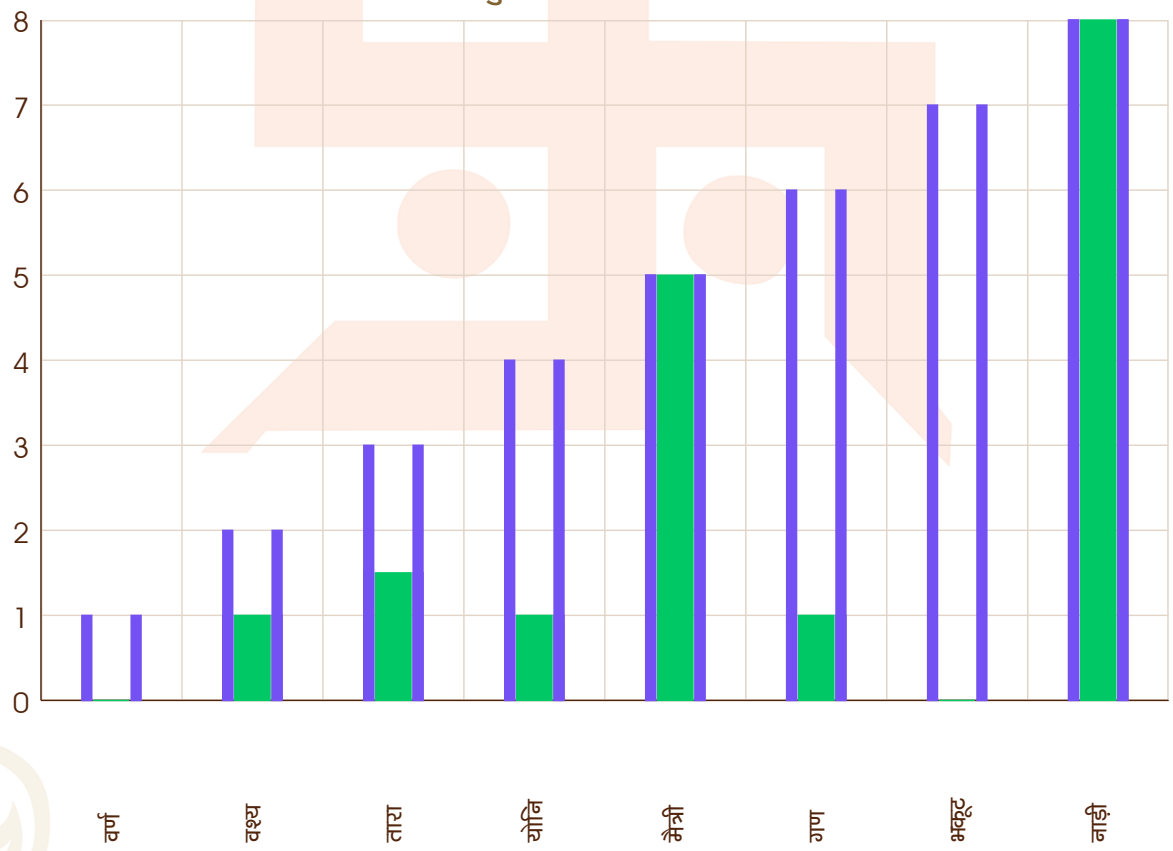

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

त्पजमेी का वर्ग सिंह है तथा डंउजै तपअेंजंअं का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार त्पजमेी और डंउजै तपअेंजंअं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

त्पजमेी मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

डंउजै तपअेंजंअं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

त्पजमेी तथा डंउजै तपअेंजंअं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

त्पजमेी का वर्ण क्षत्रिय तथा डंउजं ैतपअेंजंअं का वर्ण ब्राह्मण है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच सदैव अहं का टकराव होता रहेगा। साथ ही डंउजं ैतपअेंजंअं हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रस्त रहेंगी तथा स्वयं को अपने पति से हमेशा अधिक बुद्धिमान एवं चतुर समझेंगी। श्रेष्ठता की यही भावना त्पजमेी एवं बच्चों के विकास में बाधक साबित हो सकती है।

वश्य

त्पजमेी का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं डंउजं ैतपअेंजंअं का वश्य कीट है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। चतुष्पद एवं कीट दो अलग प्रकार के प्राणी होते हैं किंतु प्रकृति में इनका सह-अस्तित्व होता है। इस प्रकार दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद भिन्न हो सकते हैं फिर भी ये एक-दूसरे को नुकसान नहीं पहुंचायेंगे। इसीलिए त्पजमेी चतुष्पद एवं डंउजं ैतपअेंजंअं कीट होने पर विवाह को स्वीकृति प्रदान की जाती है यद्यपि कि दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार, पसंद/नापसंद में अंतर रहेगा। फिर भी ये दोनों एक-दूसरे के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध रहेंगे तथा अपने-अपने दायित्वों एवं कर्त्तव्यों का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

त्पजमेी की तारा क्षेम तथा डंउजं ैतपअेंजंअं की तारा वध है। डंउजं ैतपअेंजंअं की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह त्पजमेी एवं डंउजं ैतपअेंजंअं दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। डंउजं ैतपअेंजंअं अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

योनि

त्पजमेी की योनि अश्व है तथा डंउजं ैतपअेंजंअं की योनि व्याघ्र है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग-अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र

की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में त्पजमेी एवं डंउजे तपअेंजंअं दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि त्पजमेी एवं डंउजे तपअेंजंअं दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

त्पजमेी का गण देव तथा डंउजे तपअेंजंअं का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसी परिस्थिति में डंउजे तपअेंजंअं निर्दयी, निष्ठुर एवं क्रूर स्वभाव की हो सकती हैं जो वर, उसके बच्चों तथा परिवार के सदस्यों के लिए बुरा एवं घातक साबित हो सकता है। ऐसी पत्नी से अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपने पति, परिवार अथवा सामाजिक दायित्वों का अच्छी प्रकार से निर्वहन करेंगी। डंउजे तपअेंजंअं की अक्सर दूसरों से लड़ाई-झगड़ा करना एवं लोगों को उकसाना इसी प्रकार की आदत होगी।

भकूट

त्पजमेी से डंउजे तपअेंजंअं की राशि अष्टम भाव में स्थित है तथा डंउजे तपअेंजंअं से त्पजमेी की राशि षष्ठम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। इस मिलान को भकूट मिलान में स्वीकृति नहीं प्रदान की जाती है तथा 0 अंक/गुण प्रदान किए जाते हैं। त्पजमेी एवं डंउजे तपअेंजंअं दोनों आक्रामक, गुस्सैल एवं झगड़ालू स्वभव के होंगे। त्पजमेी शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं, उनके अनेक शत्रु हो सकते हैं तथा अपने व्यवसाय में भी उन्हें जूझना पड़ सकता है। दूसरी ओर डंउजे तपअेंजंअं बिल्कुल लापरवाह, कोई भी कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारी नहीं निभाने वाली, हरदम स्वयं के स्वार्थपूर्ति में ही खोई रहने वाली होंगी। उन्हें किसी भी प्रकार का वैवाहिक सुख प्राप्त नहीं हो पायेगा तथा उनके पति की मृत्यु की भी संभावना बनी रहेगी।

नाड़ी

त्पजमेी की नाड़ी आद्य है तथा डंउजे तपअेंजंअं की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान

अति उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन होता है। त्पजमेी की आद्य नाड़ी तथा डंउजं ैतपअेंजंअं की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पत्ति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

त्पजमेी की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त मेष राशि है तथा डंउजं ैतपअेंजंअं की जलतत्व युक्त वृश्चिक राशि है। इसके प्रभाव से आप दोनों के जीवन में विचार धाराओं में अंतर रहेगा। इन विभिन्नताओं के कारण आप वैचारिक रूप से एक दूसरे को समझने में असमर्थ रहेंगे अतः संबधं में गहनता की न्यूनता रहेगी। अतः आपसी सामंजस्य से ही मधुरता की संभावना बनेगी।

त्पजमेी और डंउजं ैतपअेंजंअं दोनों की राशि का स्वामी मंगल है। अतः वैचारिक मतभेदों को छोड़कर इनमें परस्पर मित्रता स्नेह एवं सहानुभूति का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति ईमानदार तथा कर्तव्य परायण रहेंगे तथा सुख दुख में एक दूसरे की सेवा तथा सहायता करना अपना कर्तव्य समझेंगे। इस प्रकार एक दूसरे के प्रति आत्म समर्पण की भावना से आपका दाम्पत्य जीवन सुखी हो सकता है।

त्पजमेी की जन्म राशि डंउजं ैतपअेंजंअं की राशि से षष्ठ तथा डंउजं ैतपअेंजंअं की राशि त्पजमेी से अष्टम पड़ती है अतः यह षडाष्टक भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से त्पजमेी अपने कार्य कलापों में ईमानदार तथा शीघ्रता दिखाने वाले होंगे। यद्यपि डंउजं ैतपअेंजंअं में भी ईमानदारी का भाव विद्यमान रहेगा परन्तु प्रतिरोध या बदले की भावना हो सकती है लेकिन इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। तथापि अच्छे संबधों के लिए अनावश्यक वाद विवादों से दूर रहना चाहिए।

त्पजमेी का वश्य चतुष्पाद तथा डंउजं ैतपअेंजंअं का वश्य कीट है। इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक रूप से एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में सक्षम रहेंगे। लेकिन काम सम्बंधो में त्पजमेी की व्यग्रता तथा डंउजं ैतपअेंजंअं का स्वार्थी भाव यदा कदा समस्या उत्पन कर सकता है। अतः ऐसे भावों की उपेक्षा करनी चाहिए ।

त्पजमेी का वर्ण क्षत्रिय है। अतः वह साहसी परिश्रमी एवं शूरवीर के भाव से युक्त रहेंगे। डंउजं ैतपअेंजंअं का ब्राहमण वर्ण होने के कारण धार्मिक एवं शैक्षणिक क्रियाकलपो में विशेष रूचि रहेगी तथा विचारों में भी सात्विकता का प्रभाव रहेगा।

धन

त्पजमेी और डंउजं ैतपअेंजंअं दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

त्पजमेी की नाड़ी आद्य तथा डंउजै तपअेंजंअं की नाड़ी अंत्य है। अतः दोनों की नाड़ियां अलग अलग होने के कारण वे नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे। इसके प्रभाव से उनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा पराक्रम एवं परिश्रम से अपने सांसारिक महत्व के कार्यो को सम्पन्न करने में समर्थ होंगे जिससे उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही मंगल का भी इनमें किसी के भी स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से त्पजमेी और डंउजै तपअेंजंअं का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त त्पजमेी और डंउजै तपअेंजंअं के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में डंउजै तपअेंजंअं के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन डंउजै तपअेंजंअं को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में डंउजै तपअेंजंअं को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से त्पजमेी और डंउजै तपअेंजंअं सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार त्पजमेी और डंउजै तपअेंजंअं का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

डंउजै तपअेंजंअं के अपनी सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे परन्तु यदा कदा उनके मध्य अनावश्यक मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होंगे परन्तु परस्पर सामंजस्य के द्वारा उनका समाधान हो जाएगा तथा इससे विशेष कठिनाई नहीं होगी। साथ ही डंउजै तपअेंजंअं सास से अपनी माता के समान व्यवहार करेंगी तथा इसी प्रकार उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का ध्यान रखेंगी।

लेकिन ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में डंउजं ैतपअेंजंअं को काफी परेशानी तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। यदि डंउजं ैतपअेंजंअं धैर्य, गंभीरता तथा सामंजस्य का उनके प्रति प्रदर्शन करेंगी तो उनसे किंचित मात्रा में सहानुभूति प्राप्त हो सकती है। देवर एवं ननदों से डंउजं ैतपअेंजंअं के संबधों में मधुरता का अभाव रहेगा तथा परस्पर ईर्ष्या तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा। इस प्रकार सामंजस्य एवं बुद्धिमता से ही डंउजं ैतपअेंजंअं ससुराल में अनुकूल वातावरण प्राप्त कर सकती है।

ससुराल-श्री

त्पजमेी तथा उनकी सास के आपसी संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में त्पजमेी के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह त्पजमेी को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही त्पजमेी के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण त्पजमेी के प्रति अनुकूल ही रहेगा।